

इस अंक में...

- 7 सम्पादकीय
- 9 समसामयिकी घटना संग्रह
- 10 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 आर्थिक घटना संग्रह

- 10 सरकारी बैंकों के विलय की घोषणा
- समुद्री ऊर्जा अब नवीकरणीय ऊर्जा घोषित हुई
- जन्म लिंगानुपात में सुधार वाले राज्य सम्मानित
- वियतनाम में दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा फार्म

25 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- सिगरेट और तम्बाकू उत्पाद नियम, 2008 में संशोधन
- EPFO ने खाताधारकों के लिए बढ़ाई ब्याज दर
- पाँच राज्यों में नए राज्यपाल नियुक्त
- हिमाचल प्रदेश धर्म की स्वतंत्रता विधेयक, 2019
- 15 सितम्बर, 2019 से सिंगल यूज प्लास्टिक बैन

28 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह



- 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में भारतीय प्रधानमंत्री ने आतंकवाद पर किया प्रहार
- भारत ने रूस में विकास हेतु एक अरब डॉलर का कर्ज देने की घोषणा की
- विश्व का पहला तैरता परमाणु संयंत्र

31 खेल खिलाड़ी

- फीफा विश्व कप 2022 के लोगो का अनावरण



- इंग्लैंड ने ड्रॉ कराई एशेज ट्रॉफी, 2019
- मिताली राज ने लिया टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

35 विज्ञान समाचार

37 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

- 40 शैक्षिक लेख—विज्ञान की पढ़ाई के उन्नयन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदम
- 42 कैरियर लेख—बायोइन्फॉर्मेटिक्स में कैरियर
- 43 भारत में विभिन्न क्षेत्रों में प्रथम
- 79 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 80 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-115 का परिणाम
- 81 रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया क्लर्क (प्रा.) परीक्षा, 2019

- 45 तर्कशक्ति
- 48 संख्यात्मक अभियोग्यता
- 51 English Language
- 54 उत्तराखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2018
- 60 उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2018
- 68 रेलवे भर्ती बोर्ड लेवल-1 ग्रुप 'डी' कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2018
- 75 कोर्स ऑन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट्स (CCC) वस्तुनिष्ठ प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकैनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सर्वसेस मिरर' की नहीं है.

- सम्पादक : महेन्द्र जैन
- रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
- सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005
फोन-2531101, 2530966
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdggroup.in
कस्टमर केयर: care@pdggroup.in
- पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना- 800 004
फोन- 0612-2303340
मो- 09334137572
- हृदराबाद ऑफिस
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हृदराबाद-500 036
(तेलंगाना) फोन- 040-24557283
- लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लॉक स्क्वायर, कानपुर
टैक्सो स्टैण्ड लेन, मवईया,
लखनऊ- 226 004
फोन- 0522-4109080
मो- 09760181118
- कोलकाता ऑफिस
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No.
15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकर,
कोलकाता- 700 003 (W.B.)
फोन- 033-25551510
- हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला-नैनीताल- 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो- 07060421008
- इन्दौर
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर- 452 002 (म.प्र.)
फोन- 9203908088
- नागपुर ऑफिस
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)
मो- 09370877776
- दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, वरियागंज,
नई दिल्ली-110 002
फोन- 011-23251844, 43259035

अपने मन पर नियंत्रण रखिए



मन के हारे हार है, मन के जीते जीत.

मानव के जीवन में विकास और उत्थान का द्वार उसकी स्वयं की मनोदशा के अनुसार खुलता और बन्द होता है. मन में असीम शक्ति होती है. पूर्ण मनोयोग से किया गया कोई भी प्रयास असफल नहीं होता. आधे-अधूरे मन से किए गए प्रयास व्यक्ति को असफलताओं के सागर में डुबो देते हैं.

मन वास्तव में बहुत चंचल होता है और जो उचित है, उसकी विपरीत दशा में वह प्रायः कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करता रहता है. काम करने के अवसर पर मन कहता है आराम करो, आराम करने के समय मन कहता है कि शराब पियो, जुआ खेलो आदि. महारथी अर्जुन जैसे साधक एवं कर्मठ वीर ने मन के परिप्रेक्ष्य में अपनी विवशता प्रकट करते हुए कहा था कि—

“चञ्चलं हि मनः कृष्ण प्रमाथि बलवद्दृढम्।
तस्याहं निग्रहं मन्ये वायोरिव सुदुष्करम्॥”

(श्रीमद्भगवद्गीता 6/34)

अर्थात् क्योंकि हे कृष्ण (यह) मन बड़ा चंचल और प्रमथन स्वभाव वाला है (तथा) बड़ा दृढ़ (और) बलवान् है. इसलिए उसको वश में करना मैं वायु की भाँति दुष्कर मानता हूँ.

अर्जुन को समझाते हुए भगवान् श्रीकृष्ण ने कहा था—

“असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम्।
अभ्यासेन तु कौन्तेय वैराग्येण च गृह्यते॥”

(श्रीमद्भगवद्गीता-6/35)

अर्थात् हे महाबाहो, निःसन्देह मन चंचल (और) कठिनता से वश में होने वाला है, परन्तु हे कुन्तीपुत्र अर्जुन अभ्यास अर्थात् स्थिति के लिए बारम्बार यत्न करने से और वैराग्य से मन वश में होता है.

हमारे प्रतियोगियों एवं परीक्षार्थियों को पग-पग पर उक्त प्रकार से सावधानी बरतने के अवसर आते रहते हैं—हम क्या पढ़ें, क्या

न पढ़ें, किससे सहायता लें, किससे दूर रहें आदि ? परीक्षा भवन में तो हमारा मन बहुत चंचल हो उठता है. वह बार-बार, भाँति-भाँति से प्रेरित करता है कि हे परीक्षार्थी, तू तथाकथित अनुचित साधनों का प्रयोग क्यों नहीं करता है ? तू अपने साथ कागज के छोटे-छोटे टुकड़ों पर नोट्स ले जा सकता है, बराबर वाले की उत्तर-पुस्तिका की ओर झाँक सकता है, कक्षनिरीक्षक को अपना सहायक बना सकता है, आदि. तू दिन-रात एक करते हुए कठिन परिश्रम क्यों करता रहता है ? जो अपने मन को वश में करने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं, वे मन की बातों में नहीं आते हैं और पूरी लगन, निष्ठा एवं दत्तचित्ता द्वारा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए श्रमशील बने रहते हैं, जो ऐसा नहीं करते हैं अर्थात् मन को वश में करने हेतु प्रयत्नशील नहीं होते हैं, वे उसकी बातों में आ जाते हैं और धोखा खा जाते हैं और अपनी सफलता की सम्भावनाओं को सदा-सर्वदा के लिए समाप्त कर देते हैं. आप अपने ऊपर विश्वास करें और मन को डाँटकर कहना सीखें—मैं तुझको अच्छी तरह जानता हूँ, चुपचाप बैठा रह.